

फार्म

\*प्रथम नियुक्ति के समय अचल सम्पत्ति का विवरण, वर्ष २०

२०१५-१६ ७३-२

अधिकारी/कर्मचारी का (पूरा) नाम तथा उस सेवा का नाम, जिसमें वह है ... 2. वर्तमान धारित पद

3. वर्तमान वेतन ... ५६७०० + D.A. अगली वेतनवृद्धि की तारीख ... २०१८



(1) उस जिले, उप-भाग, तहसील तथा ग्राम का नाम, जिसमें इसमें स्थित हो	(2) संपत्ति का नाम तथा खेति-भूमि		(3) वर्तमान मूल्य	(4) यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका शासकीय कर्मचारी से क्या संबंध है	(5) उसे किस प्रकार अर्जित किया गया **खरीद, पट्टा, वंशक, विरासत, भेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा ब्यौर	(6) संपत्ति से वार्षिक आय	(7) अभिप्रेत
	गृह तथा अन्य भवन	भूमि					
(कॉटा) राजस्थान के अंतर्गत ५३ २०६ नम्बर ९				मतिके नाम पर है			स्वयं १९९१-२०१२

\* जहाँ लागू न हो वाट दीजिए।  
\*\* ऐसे मामलों में जहाँ मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहाँ वर्तमान स्थिति के सन्दर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए।

\*\*\* इसमें अल्पकालीन परदे भी सम्मिलित हैं।  
टिप्पणी : मध्यप्रदेश शासकीय सेवा (आवण) नियम, १९५९ के नियम १८(३) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक कदम से यह अपेक्षित है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक बार महानि और अधि के परसपर यह घोषणा कर भू कर प्रस्तुत करें और उसमें वह उनके स्वामित्व की तथा उसीक द्वारा अर्जित अथवा उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर परदे या वंशक पर उसके द्वारा धारित समस्त अचल सम्पत्ति के ब्यौर दें।

हस्ताक्षर: ...  
नाम: ...  
पद: ...  
दिनांक: ...